

stages, the estimated achievement is expected to be 68.1 lacs, 11.7 lakhs and 5.6 lakhs, respectively.

(b) An amount of Rs. 175 crores was estimated to have been available for the education of girls during the Third Plan. However, it is not possible to indicate the amount spent as separate figures for the purpose are not given in State Annual Plans. In addition, a sum of Rs. 26.10 lakhs was allocated to States and Union Territories for the acceleration of girls' education during 1965-66.

During the Third Plan, a sum of Rs. 6,48,460 was sanctioned to Voluntary Educational Organisations working in the field of Women's Education direct, under a Central scheme. A sum of Rs. 28,122 was also sanctioned to States for holding seminars on girls' education during the Third Plan.

(c) Besides the provisions under various schemes of General Education, from which girls' education will get its due share, a provision of Rs.32.20 crores has been included in the Draft Plan for special schemes to promote girls' education at the school stage. These schemes include the following:—

1. Construction of Quarters for women teachers,
2. Hostel for girls,
3. Sanitary blocks,
4. Appointment of school mothers, and
5. Allowance for women teachers serving in rural areas.

The National Council for Women's Education has been reconstituted to make it a more effective body. The National Council and the State Councils for Women's Education will continue during the Fourth Plan to rouse wide spread interest in girls' education among governmental and non-governmental agencies in the country. For educating public opinion, films on Women's Education are being

prepared, and seminars dealing with various aspects of the problems of girls' education will be organised. The scheme of giving grants to voluntary educational organisations working in the field of Women's Education will also be continued during the Fourth Plan, for which Rs. 40 lakhs have been provided.

#### अध्यापकों का वेतन-क्रम

327. श्री प्रकाशवीर शारत्री :  
 श्री हुकूम चन्द कछवाय :  
 श्री रघुनाथ सिंह :  
 श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती :  
 श्री ही० ना० मुर्जी :  
 श्री सिद्धेश्वर प्रसाद :  
 श्री यशपाल सिंह :  
 श्री दी० चं० शर्मा :  
 श्री बड़े :  
 श्री सुबोध हंसदा :  
 श्री स० चं० सामन्त :  
 श्री भागवत शा आजाव :  
 श्री म० ला० द्विवेदी :  
 श्री प्र० चं० बरुआ :  
 श्री राजदेव सिंह :

क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या सरकार समूचे देश में प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूलों के अध्यापकों के वेतनक्रम बढ़ाने संबंधी कार्यक्रमों पर भी विचार कर रही है ;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में अन्तिम निर्णय करने में कितना समय लगने की संभावना है ;

(ग) क्या प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूलों के अध्यापकों अथवा उन की संस्थाओं ने सरकार को कोई स्मरण पत्र प्रस्तुत किये हैं ; और

(घ) यदि हां, तो उन पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

शिक्षा मंत्री (श्री मु० क० चागला) :  
(क) शिक्षा आयोग की रिपोर्ट में इस संबंध में कुछ सिफारिशों दी हुई हैं। आयोग की अन्य सिफारिशों के साथ साथ इन सिफारिशों की भी मंत्रालय में जांच की जा रही है। इसके अतिरिक्त केन्द्रीय सरकार के विचाराधीन और कोई कार्यक्रम नहीं है।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

(ग) जी, हां।

(घ) स्कूल स्तर पर अध्यापकों के वेतन-मानों का संबंध राज्य सरकारों से है।

प्रत्येक राज्य में केन्द्रीय विश्वविद्यालय

328. श्री प्रकाशवीर शास्त्री :

श्री हुकम चन्द कछवाय :

श्री रघुनाथ सिंह :

श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती :

क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में प्रत्येक राज्य में कम से कम एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय स्थापित करने की योजना के संबंध में अब तक कितनी प्रगति हुई है ;

(ख) क्या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने भी अपने स्तर पर इस संबंध में कुछ जानकारी प्राप्त की है ; और

(ग) यदि हां, तो आयोग इस योजना से कहां तक सहमत है ?

शिक्षा मंत्री (श्री मु० क० चागला) :

(क) प्रत्येक राज्य में कम से कम एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय स्थापित करने के प्रश्न पर, जिसके संबंध में अक्टूबर 1962 में हुए राज्यों के शिक्षा मंत्रियों के सम्मेलन ने तथा उसके बाद में उच्च शिक्षा संबंधी समिति ने 1964 में प्रकाशित अपनी रिपोर्ट में सिफारिश की थी, शिक्षा आयोग ने विचार किया था और उसने अपनी राय इस प्रस्ताव के विरुद्ध

दी है। आयोग की रिपोर्ट पर अभी विश्व-विद्यालय अनुदान आयोग और शिक्षा मंत्रालय विचार करेगा।

(ख) जी, नहीं।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

#### Whitley Council Scheme

329. Shri Madhu Limaye:

Shri Bagri:

Dr. Ram Manohar Lohia:

Shri Kishen Pattnayak:

Shri P. R. Chakraverti:

Shri Linga Reddy:

Shri A. N. Vidyalkar:

Shri A. K. Gopalan:

Shri Kolla Venkatah:

Shri Dasaratha Deb:

Shri A. P. Sharma:

Will the Minister of Home Affairs be pleased to state:

(a) whether the Whitley Council Scheme has been implemented in any of the Central Government departments; and

(b) if not, when the scheme is expected to start functioning?

The Minister of State in the Ministry of Home Affairs and Minister of Defence Supplies in the Ministry of Defence (Shri Hathl): (a) No.

(b) The Joint Councils under the Scheme are expected to start functioning very shortly.

#### Primary Education in States

330. Shri Madhu Limaye:

Shri Bagri:

Will the Minister of Education be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 5137 on the 11th May, 1966 and state:

(a) whether Government have drawn the attention of the States, where primary education is not free, to the relevant Directive Principles of State Policy.